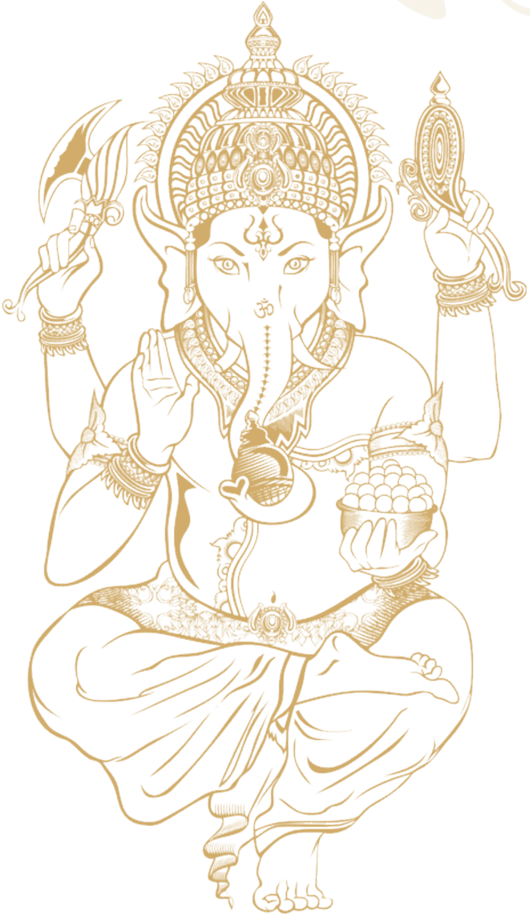

Mr.

26 Sep 1997

05:00 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120955902

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **26/09/1997**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **17:00:00 घंटे**
इष्ट	: 27:02:03 घटी
स्थान	: **Faridabad**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 28:24:00 उत्तर
रेखांश	: 77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 16:39:12 घंटे
वेलान्तर	: 00:08:36 घंटे
साम्पातिक काल	: 17:00:26 घंटे
सूर्योदय	: 06:11:10 घंटे
सूर्यास्त	: 18:12:43 घंटे
दिनमान	: 12:01:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 09:35:14 कन्या
लग्न के अंश	: 15:14:14 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	: **कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	: **पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: शिव
करण	: बव
गण	: देव
योनि	: मेष
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: मेष
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	15:14:14	495:48:42	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	09:35:14	00:58:51	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कर्क	12:52:38	12:02:40	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	04:28:07	00:41:38	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	25:59:10	01:42:48	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	18:29:45	00:02:19	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			तुला	22:45:24	01:08:30	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		मीन	24:08:52	00:04:30	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु			सिंह	25:53:45	00:01:33	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:53:45	00:01:33	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:02:44	00:00:53	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:23:59	00:00:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:32:09	00:01:25	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			वृश्चि	22:28:00	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:28

लग्न-चलित

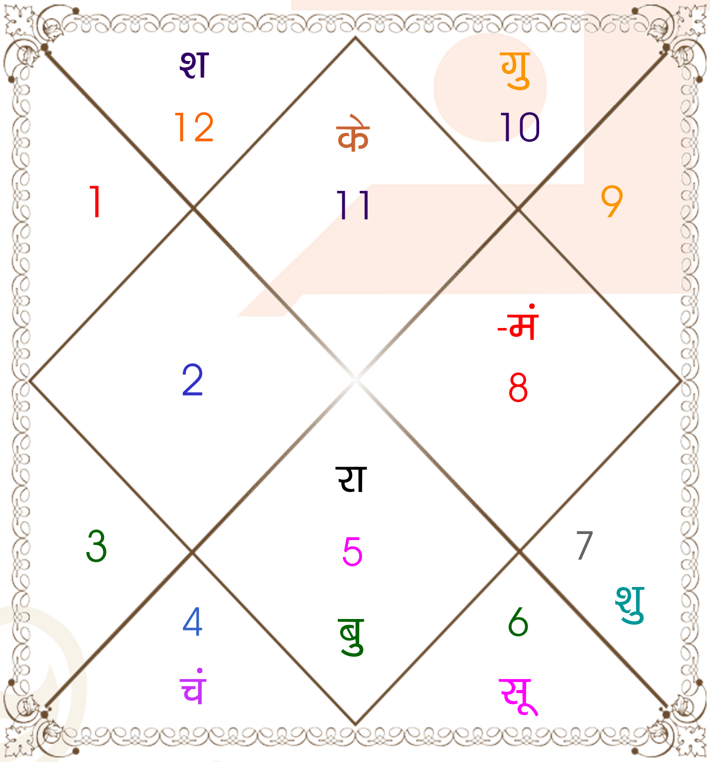

चन्द्र कुंडली

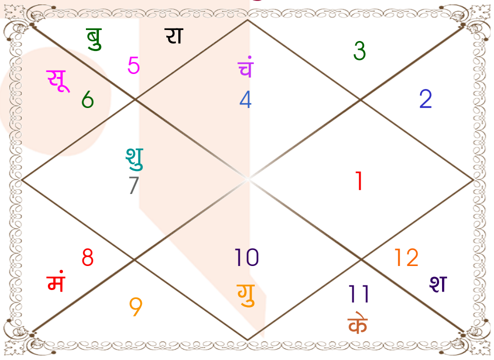

नवमांश कुंडली

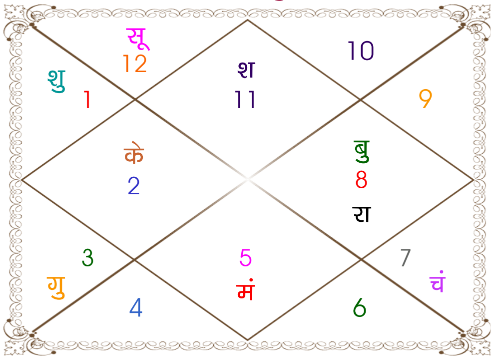

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 4 मास 24 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/09/1997		19/02/2003		20/02/2020		19/02/2027		19/02/2047	
19/02/2003		20/02/2020		19/02/2027		19/02/2047		19/02/2053	
	00/00/0000	बुध	18/07/2005	केतु	18/07/2020	शुक्र	21/06/2030	सूर्य	09/06/2047
	00/00/0000	केतु	15/07/2006	शुक्र	17/09/2021	सूर्य	21/06/2031	चंद्र	09/12/2047
	00/00/0000	शुक्र	15/05/2009	सूर्य	23/01/2022	चंद्र	19/02/2033	मंगल	15/04/2048
	00/00/0000	सूर्य	22/03/2010	चंद्र	24/08/2022	मंगल	21/04/2034	राहु	09/03/2049
	00/00/0000	चंद्र	21/08/2011	मंगल	20/01/2023	राहु	21/04/2037	गुरु	26/12/2049
	26/09/1997	मंगल	17/08/2012	राहु	08/02/2024	गुरु	21/12/2039	शनि	08/12/2050
मंगल	02/10/1997	राहु	07/03/2015	गुरु	13/01/2025	शनि	19/02/2043	बुध	15/10/2051
राहु	08/08/2000	गुरु	12/06/2017	शनि	22/02/2026	बुध	20/12/2045	केतु	20/02/2052
गुरु	19/02/2003	शनि	20/02/2020	बुध	19/02/2027	केतु	19/02/2047	शुक्र	19/02/2053

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/02/2053		19/02/2063		19/02/2070		20/02/2088		21/02/2104	
19/02/2063		19/02/2070		20/02/2088		21/02/2104		00/00/0000	
चंद्र	20/12/2053	मंगल	19/07/2063	राहु	01/11/2072	गुरु	09/04/2090	शनि	24/02/2107
मंगल	21/07/2054	राहु	05/08/2064	गुरु	28/03/2075	शनि	20/10/2092	बुध	03/11/2109
राहु	20/01/2056	गुरु	12/07/2065	शनि	01/02/2078	बुध	26/01/2095	केतु	12/12/2110
गुरु	21/05/2057	शनि	21/08/2066	बुध	20/08/2080	केतु	02/01/2096	शुक्र	11/02/2114
शनि	21/12/2058	बुध	18/08/2067	केतु	08/09/2081	शुक्र	02/09/2098	सूर्य	24/01/2115
बुध	21/05/2060	केतु	14/01/2068	शुक्र	08/09/2084	सूर्य	21/06/2099	चंद्र	24/08/2116
केतु	20/12/2060	शुक्र	15/03/2069	सूर्य	02/08/2085	चंद्र	21/10/2100	मंगल	27/09/2117
शुक्र	21/08/2062	सूर्य	21/07/2069	चंद्र	01/02/2087	मंगल	27/09/2101		00/00/0000
सूर्य	19/02/2063	चंद्र	19/02/2070	मंगल	20/02/2088	राहु	21/02/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 5 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न, कुंभ नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से ऐसा स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रस्तुतिकरण सुखद, सुलभ एवं स्वाभाविक रूप से आरामदायक जीवन काल का प्रतिनिधित्व करता है।

मुख्यतः आपकी आयु के 28 वें वर्ष में आप उच्चतम शिखर पर पहुंच कर अपनी शक्ति एवं स्वच्छंदता पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। यदि आप लापरवाही, आलसी एवं धीरे-धीरे चलने की प्रवृति रखें तो कभी-कभी धैर्यपूर्वक अपनी प्रस्तावित समस्या को शीघ्रतापूर्वक संपन्न कर सकेंगे। आप अपने हस्तगत कार्य के प्रति स्वयं प्रोत्साहित हो कर उसे संपन्न कर लिए तो निश्चित रूप से धन संग्रह कर लेंगे।

आप ऐसे प्राणी हैं कि आपको बहुत मात्रा में विस्तार एवं विकसित होने में सफलता मिलेगी। यदि आप अपना जिद्दीपन एवं अड़लियल रूख के प्रति नरमी बरत सके तो आप किसी भी कार्य को खेल-खेल में संपादित कर लेंगे एवं निष्कपट भाव से जन सामान्य के साथ दयालुता युक्त भावनाओं से उदारता बरतेंगे। अन्य व्यक्ति मात्र आपकी त्रुटियों को अप्रिय हाव-भाव से देखेंगे तथा बिना जाने ही आपकी दुर्बलता के विरुद्ध हो जाएंगे। यदि आप मर्यादित ढंग से बात चीत करने लगे तो आप अत्यधिक सुविख्यात हो जाएंगे।

आप उच्च कोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप जीवन दर्शन का अध्ययन कर जीवन के वास्तविक अर्थ से अवगत हो जाएंगे। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल कार्य व्यवसाय ज्योतिषीय कार्य, गणितीय कार्य, खगोल विद्या, सामान्य ज्ञान, गुप्त (विद्या) विज्ञान, एवं हवाई यात्रा संबंधित कार्य उत्तम हैं।

आप एक सुखद भवन के साथ-साथ समझदार एवं व्यवस्थित पत्नी तथा प्रिय संतानों से युक्त होंगे। आप वैवाहिक जीवन का निर्वाह करेंगे। आप सदैव अपने घर परिवार को अपने अधिकृत रखेंगे।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी आयु लंबी है तथा आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु ऐसा आभास हो रहा है कि आप कुछ रोगादि के कुप्रभाव से अधोगति को प्राप्त हो सकते हैं। यथा रक्तचाप, हृदय संबंधी रोग, हृदय स्पंदन आदि रोग कुछ वर्षो के बाद हो सकता है। अतः उत्तम तो यह है कि सच्चे अर्थो में सावधानी बरते।

आप मित्रों के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अपने भवन की प्राचीनता को नवीनीकरण करने हेतु संग्रह करेंगे। आप अत्यंत ही सामाजिक प्राणी हैं तथा समाज को अकेले ही आगे लेकर चलेंगे। आप एक विख्यात एवं आतिथ्य भावनाओं से युक्त प्राणी है।

आप निम्नांकित निर्देशों का पालन एवं अंगीकृत कर जीवन में अत्यधिक उन्नति प्राप्त कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं प्रभावक अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक हैं तथा अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके हित प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

आपके लिए नीले रंग को छोड़ कर अन्य रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग अति अनुकूल हैं।